

S.H. RAZA  
101, RUE DE CHARONNE  
2, CITÉ DU COUVANT  
75011 PARIS  
TÉL. 43.70.97.64

पेरिस, 22 अक्टूबर, 1977

प्रिय आखिलेश,

दिल्ली में समय कम था, अच्छी तरह से बात न हो पाई। बम्बई में भी 3 दिन ही मिले, जो जल्दी बीत गया। फिर भी मुझे बड़ी खुशी है कि इस प्रदर्शनी को मैं स्वयं देख सका। आप सब से, चित्रों से मिल सका।

गोरखियो लौटा। सारा सामान, सब चित्रों को लेकर, जनिन और मैं, कल ही पेरिस लौटे हैं। थकान है। फिर भी ये दो शब्द, जल्दी में।

मुझे तुम्हारे नये चित्र अच्छे लगे। Solidarity in Construction + vitality in colour. Homogeneous concept. बात न हो पाई, पर फिर कभी। जनवरी कावरी फिर भारत आ (हा) हैं। शायद भोपाल न आ सकूंगा। उड़ीसा, बंगाल जाने की योजना है। प्रोग्राम बनने पर लिखूंगा। पर इस पत्र में हम बात कहना चाहता हूँ: इस प्रदर्शनी का जो भी नतीजा हो, जिस किसी के छात्र वृत्ति मिले, इसकी पावाह न करना। हर हालत में यह प्रदर्शनी सहायक रहेगी। और आज नहीं तो कल तुम्हें फ्रांस आने का अवसर मिलेगा। मन लगा कर काम करो और फ्रेंच सीखते रहो। जब भी मन हो मुझे पत्र से अपने समाचार देते रहो।

आशा है, यह पत्र भोपाल लौटते ही मिलेगा। मेरी बम्बई में प्रदर्शनी Chemould - 22nd January के करीब तय हुई है। ज्यादा काम ला सकूंगा, मालूम नहीं। पर मुझे भी अपनी निजी "गति" से काम करना है, बाहरी लोगों को भूलकर।

स्नेह -